सितंबर 2021

स्कूल में बच्चों को स्मार्टफोन वितरण

ख़्वाबगाह जसोला स्कूल में फोन वितरण

मार्च 2020 से स्कूल बंद होने की वजह से देश भर के छात्रों के सीखने के स्तर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। हाल ही में जारी एक सर्वेक्षण के अनुसार, शहरी भारत के सरकारी स्कूलों में केवल 24% छात्र नियमित रूप से पढ़ रहे हैं, जबकि 19% बिल्कुल भी नहीं पढ़ रहे हैं। ऑनलाइन शिक्षा की कमी का एक मुख्य कारण यह है कि इन बच्चों के पास स्मार्टफोन नहीं है।

स्कूल बंद के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्र की शिक्षा बेरोकटोक जारी रहे, मोदीकेयर फाउंडेशन ख़्वाबगाह जसोला में वंचित बच्चों को स्मार्टफोन वितरित कर रहा है, जिनके पास स्मार्ट डिवाइस नहीं हैं। स्मार्टफोन वितरित करने के अलावा, फाउंडेशन नियमित रूप से छात्रों को शैक्षिक कार्यपुस्तिकाएं भी वितरित कर रहा है ताकि स्मार्टफोन के बिना परिवार भी अपने बच्चों को शिक्षित कर सकें।

स्मार्टफोन बच्चों के सीखने के स्तर को बनाए रखने में मदद करेंगे और स्कूल खुलने के बाद नियमित कक्षाओं के लिए तैयार रहेंगे। यह उन बच्चों के बीच सीखने के अंतर को कम करने में भी मदद करेगा जो स्मार्टफोन के साथ पढ़ रहे थे और जो बिना स्मार्टफोन के पढ़ाई कर रहे थे।

बच्चो और उनके माता पिता स्मार्टफोन प्राप्त करते समय बहुत खुश दिख रहे थे, जो यह दर्शाता है कि स्मार्टफ़ोन का पढ़ाई और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में कितना महत्व रखता है।

एमसीएफ टीम फोटो

सुश्री लतिका दीक्षित ने शिक्षक दिवस के अवसर पर शादाब और जसबीर को पुस्तकें भेंट कीं

क़ानूनी जागरूकता कार्यशाला

Modicare FOUNDATION

KHWABON KA KARWAAN

A MONTHLY NEWSLETTER

/modicarefoundation.org /officialmodicarefoundation

modicarefoundation

सहायक स्टाफ के साथ नशीले पदार्थों के सेवन पर प्रशिक्षण

पार्टनर्स इन चेंज प्रोग्राम के तहत मोदीकेयर फाउंडेशन के प्रशिक्षकों ने हेड ऑफिस में सपोर्ट स्टाफ को प्रशिक्षण देने की शुरुवात की है। सपोर्ट स्टाफ में ड्राइवर, गार्ड, हाउसकीपिंग स्टाफ और ऑफिस बॉय शामिल हैं। प्रशिक्षण में जिन विषयों को शामिल किया जा रहा है वे हैं - नशीले पदार्थों का सेवन और बचाव, एचआईवी/एड्स और प्रजनन स्वास्थ्य, कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 या पॉश अधिनियम और बाल यौन शोषण।

पहला सत्र नशीले पदार्थों के सेवन पर आयोजित किया गया था जिसके तहत सपोर्ट स्टाफ को ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों के बीच अंतर, नशा को "ना" कैसे कहें और उनके परिवारों और समाज पर नशीले पदार्थों के सेवन के प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया।

प्रशिक्षकों को सभी प्रतिभागियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली और वे आगे होने वाले अन्य सत्रों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

फिज़िकल प्रशिक्षण - किशन

लंबे समय के बाद, मैंने किशोरों के साथ फिज़िकल प्रशिक्षण लिया, जिससे मुझे बहुत खुशी हुई। किशोरों ने एक अलग तरह की ऊर्जा और उत्साह का प्रदर्शन किया। एक प्रशिक्षक के रूप में, मैंने यह महसूस किया कि लंबे समय तक घर पर रहने और बाहरी गतिविधियों में भाग न लेने के कारण, किशोरों के आत्मविश्वास का स्तर गिर गया है। पिछले कई महीनों से हम बच्चों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित कर रहे थे। लेकिन समय की कमी और नेटवर्क की समस्या के कारण हम उनके साथ कई गतिविधियां संचालित नहीं कर सके। फिज़िकल प्रशिक्षण करने का एक अलग ही मज़ेदार अनुभव होता है, जहाँ प्रशिक्षक प्रतिभागियों की ऊर्जा और उत्साह को बढाने में मदद करता है। मुझे उम्मीद है कि फिज़िकल ट्रेनिंग के माध्यम से बच्चे दुबारा अपना आत्मविश्वास और जोश हासिल करेंगे।

September 2021

Phone Distribution in School

Phone Distribution in Khwabgah Jasola

The school shutdown since March 2020 has adversely impacted the learning levels of students across the country. According to a school survey released recently, only 24% students in government schools in urban India are studying regularly while 19% are not studying at all. One of the main reasons for the lack of access to online education is that these children do not have smartphones.

To alleviate the adverse effects of the school shutdowns and ensure that the student's education continues unabated, Modicare Foundation is distributing smartphones to the underprivileged children in Khwabgah Jasola, who do not have smart devices. Besides distributing smartphones, the Foundation has also been regularly distributing educational workbooks to the students so that the families without smartphones can also educate their children.

The smartphones will go a long way in helping children maintain their learning levels and be prepared for regular classes once the school reopens. It will also help diminish the learning gaps between the children who were studying with a smartphone and those without.

An indicator of the significance of the smartphones and the impact it will have on the children's life was the joy on their faces and their parents' while receiving the smartphones.

MCF Team Photo

Ms Latika Dikshit presenting books to Shadab and Jasbir to commemorate Teacher's Day

Legal Awareness Workshop

Modicare FOUNDATION

KHWABON KA KARWAAN

A MONTHLY NEWSLETTER

/modicarefoundation.org /officialmodicarefoundation

modicarefoundation

Training on Substance Abuse with the Support Staff

Under the Partners in Change program, Modicare Foundation's trainers have commenced training with the support staff in the Head Office. The support staff comprises of drivers, guards, housekeeping staff and office boys. The topics which are going to be covered are – Substance Abuse; HIV/AIDS and Reproductive Health; The Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013 or POSH Act and Child Sexual Abuse.

The first session was conducted on Substance Abuse under which the support staff were made aware of the distinction between drugs and substances, how to say "NO" to them and the effects of substance abuse on their families and society.

The trainers received an overwhelmingly positive response from all the participants who are now looking forward to the other sessions.

Back to Physical Trainings - Kishan

After a long time, I conducted physical trainings with adolescents which made me really happy. The adolescents exhibited a different kind of energy and enthusiasm. As a trainer I felt that that the adolescents' self-confidence levels have fallen as a result of being at home for a long time and not participating in outside activities. For the past several months we were conducting online trainings for the children. But because of time constraints and network issues we could not conduct many activities with them. Physical trainings are another ball game, where the trainer feeds off the energy of the participants and can do much more. I hope that with physical trainings the children will regain their self-confidence and spirit.